University in News on 15 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

20 दिन कक्षाओं के बाद होगी परीक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय : लॉकडाउन बढ़ने के बाद कुलपति ने ली विभागाध्यक्षों की बैठक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लॉकडाउन समाप्त होने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय 20 दिन कक्षाएं संचालित करने के बाद ही सेमेस्टर की परीक्षा शुरू करेगा। ये कक्षाएं सिर्फ सेमेस्टर प्रणाली वाले विद्यार्थियों के लिए होगी। वार्षिक परीक्षा की शुरुआत पहले ही हो चुकी थी। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को लॉकडाउन बढ़ने की घोषणा के बाद सभी विभागाध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक की और परीक्षा, प्रवेश, रिजल्ट तथा नए सत्र के संबंध में चर्चा की।

कुलपति प्रो. राय ने बताया कि विवि के काफी शिक्षकों ने ई-कंटेंट उपलब्ध कराकर ऑनलाइन क्लास लेकर सिलेबस पूरा कराने की कोशिश की है, लेकिन विवि और महाविद्यालयों के शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को इसका लाभ नहीं मिल सका। ऑनलाइन क्लास के बाद भी विद्यार्थियों के सवाल हो सकते हैं। इन सवालों का निपटारा क्लास में ही हो सकता है। लॉकडाउन खुलने के बाद करीब 20 दिन तक कक्षाएं लगेंगी, जिसके बाद ही परीक्षा कराई जाएगी। बैठक के दौरान प्रश्नपत्र बनाने पर भी चर्चा हुई। इस संबंध में पहले गठित समिति की सिफारिश के अनुसार प्रश्नपत्र निर्माण में पुरानी व्यवस्था समाप्त करने तथा इसे विकेंद्रीकृत करने का फैसला किया गया है।

परीक्षा के विकल्पों पर विचार

राज्यपाल ने विवि की परीक्षा, मिड सेमेस्टर तथा ई-कंटेंट के संबंध में एकटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में एक समिति का गठन भी किया है। फिलहाल समिति ने अपनी सिफारिशें नहीं दी हैं, लेकिन शासन स्तर पर इसके कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, जिसके तहत परीक्षा की अवधि तीन घंटे से घटाकर दो घंटे करके एक दिन में तीन पाली में परीक्षा कराने, बचे हुए प्रैक्टिकल कराने के बजाय उनकी पढ़ाई और परीक्षा अगले सत्र में लेने जैसे विकल्पों पर चर्चा की गई।

सरकार के निर्देशों का इंतजार

हम लोग सात दिन की तैयारी के बाद परीक्षा कराने की स्थिति में होंगे। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों के 20 दिन की कक्षाओं के बाद ही परीक्षा कराई जाए। हालांकि कोई भी फैसला शासन के जारी निर्देशों के बाद ही लिया जाएगा। विभागाध्यक्षों की बैठक में परीक्षा, पढ़ाई तथा दाखिलों पर भी चर्चा की गई।

- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

तैयार किए 250 वीडियो व्याख्यान और 1612 ई-कंटेंट

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक विवि के विभाग और संस्थानों ने मिलकर 49 यू-ट्यूब चैनल तैयार किए हैं। इसके अलावा 250 वीडियो व्याख्यान भी रिकॉर्ड किए जा चुके हैं। इसके अलावा अलग-अलग माध्यमों से कुल 1612 ई-कंटेंट विवि की वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुके हैं। विद्यार्थियों के ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की गई हैं तथा उनका टाइमटेबल भी जारी कर दिया गया है। महाविद्यालय के विद्यार्थी और शिक्षक दोनों को इससे जोड़ा जा रहा है।

NBT Page 4

ई-लर्निंग के माध्यम से 80 से 90% पढ़ाई पूरी

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक कर सिलेबस और प्रश्न पत्रों की तैयारी को लेकर जानकारी ली। इसमें सभी डीन, हेड, को-ऑर्डिनेटर, को-ऑर्डिनेटर ऑफ एग्जामिनेशन, रजिस्ट्रार समेत 70 शिक्षक शामिल हुए। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में सभी विभागों और संकायों के हेड ने ई-लर्निंग के माध्यम से 80 से 90% पढ़ाई पूरी होने की बात कही।

HINDUSTAN Page 6

यूजीसी के मानकों पर तैयार होगा ई-कंटेंट

एलयू

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय का दावा है कि ऑनलाइन कक्षाओं और ई-कंटेंट के माध्यम से सभी पाठ्यक्रमों में 80 से 90 प्रतिशत पढ़ाई पूरी करा दी गई है। विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई ऑनलाइन बैठक में यह दावा किया गया।

बैठक में विभागों की ओर से प्रस्ताव रखा गया है कि विश्वविद्यालय के खुलने के बाद कम से कम 20 दिन का समय अतिरिक्त चाहिए होगा। इस दौरान जिन विषयों में प्रैक्टिकल क्लास होती है, अथवा डिजर्टेशन लिखने के लिए डाटा कलेक्शन की जरूरत पड़ती है, उन्हें पूरा किया जाएगा। इस दौरान - ई-कंटेंट बनाने के लिए यूजीसी द्वारा जारी किये गए गाइडलाइन्स समस्त विभागाध्यक्षों तक पहुंचाने समेत तमाम प्रस्तावों पर सहमति बन गइ है।

कोरोना से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ने जो सात वचन दिए हैं, वो बहुत महत्वपूर्ण हैं। सभी लोग नियमों का पालन करें। मॉस्क अवश्य पहनें। **-प्रो. डीआर साहू,** समाजशास्त्री, लखनऊ विवि

प्रधानमंत्री के सात वचन का हर देशवासी पालन करे तो कोरोना की जंग में हम जीतेंगे। अपनी इम्युनिटी बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन करें। बुजुर्गों की सेवा करें। **मुन्ना सिंह,** कृषि विशेषज्ञ

TOI Page 2

LU mulls online exam process

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University is preparing a model for increased use of information technology in functioning and is exploring the possibility of conducting online examinations as well as paper setting.

In a meeting of department heads and vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai via video-conferencing on Tuesday, the professors said around 80-90% curriculum of undergraduate and postgraduate courses has been completed of which 45-50 % was done in online classes during lockdown.

"LU has effectively used online learning tools during lockdown. Now, we are developing an examination model for leveraging the use of IT in question paper setting," said Prof Rai.

Governor Anandiben Patel, the chancellor of all state universities, had constituted a seven-member committee to give recommendations on holding online classes, examinations in the 2020-21 academic calendar in view of the disruption of studies and exams due to lockdown. The committee is headed by Dr APJ Abdul Kalam Technical University vice-chancellor Prof. Vinay Pathak.

LU also formed a panel comprising deans of faculty of law Prof CP Singh, arts Prof BK Shukla and science/commerce Prof Somesh Shukla to ascertain whether the university has the logistics to conduct online examinations or will it have to wait for lockdown to get over. Another committee was set up to assess the possibility of framing question papers in online and offline modes.

i-Next Page 4

प्रैक्टिकल कराने को 20 दिन का एक्ट्रा टाइम

LUCKNOW (14 April inext): एलयू प्रशासन इवेन सेमेस्टर में यूजी और पीजी में होने वाले प्रैक्टिकल लॉकडाउन खुलने के बाद कराएगा. इसके लिए एलयू विभागों को 20 दिन का समय देगा. यह निर्णय एलयू वीसी की अध्यक्षता में आयोजित सभी डीन और एचओडी की बैठक में लिया गया.

मई में प्रस्तावित है एग्जाम

एलयू इवेन सेमेस्टर में अपने सभी यूजी और पीजी कोर्सेस के प्रैक्टिकल करवाता है. इस बार मई में इवेन सेमेस्टर के एग्जाम होने हैं. ऐसे में जनवरी से शुरू हुए सेमेस्टर में स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ अपने प्रैक्टिकल भी करने थे, पर मार्च आधा भी नहीं बीता था कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए पूरे देश में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया. ऐसे में बीएससी के साथ एमएससी के सभी विषयों के प्रैक्टिकल अधर में फंस गए. ऐसे में एलयू के सामने इन कोर्सेस के प्रैक्टिकल पूरा करने के बाद ही एग्जाम कराने का निर्णय लिया है.

Hindustan Page 5

आठ और काउंसलर के नम्बर जारी किए

लखनऊ। लॉकडाउन के बीच लोगों में उपजते मानसिक तनाव एवं अवसाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से मंगलवार को 10 और हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए। एनएसएस लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए 'मुस्कुरायेगा इंडिया' कार्यक्रम के तहत 10 काउंसलरों की सूची उनके फोन नंबर सहित पहले ही जारी कर चुकी है। अब 8 अन्य की सूची काउंसलिंग के लिए जारी की गई है। इनमें लखनऊ विवि एवं कॉलेजों से चार-चार कार्यक्रम अधिकारियों का चयन हुआ है। इन पर फोन करके लोग अपनी मानसिक समस्या बता सकते हैं।

यहां फोन करके परामर्श लें

- डॉ. महेंद्र अग्निहोत्री 9415110323
- डॉ.ओपी शुक्ल 9453020304
- डॉ. राहुल पाण्डेय 9454171634
- डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा 9452128378
- डॉ. मुक्ता छाबरा 9415001444
- डॉ. मंजरी सिंह 9415288709
- डॉ. विजय राज श्रीवास्तव 9450275577
- डॉ. उपेन्द्र कुमार 7007992573

Amrit Vichar Page 2

एलयू:49 विभागों ने बनाये यू-ट्यूब चैनल

कुलपति ने कहा-छात्र घर से जारी रखें पढ़ाई, 250 से ज्यादा वीडियो अपलोड

अमृत विचार लखनऊ

कोविड-19 से बचाव के लिए लॉकडाउन की अवधि बढ़ाये जाने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षण कार्य के लिए एक और महात्वपूर्ण कदम उठाया है। विवि के 49 विभागों की ओर से 49 यू-ट्यूब चैनल बना दिए गये हैं। इस बात की जानकारी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन की अवधि बढ़ायी जा चुकी है। इस स्थिति में शिक्षण कार्य प्रभावित न हो इसके लिए 49 विभागाध्यक्षों की मदद से यू-ट्यूब चैनल तैयार कर शुरू कर दिए गये हैं। इन चैनलों में 250 से अधिक वीडियो भी अपलोड किए गये हैं। उन्होंने बताया वीडियो के माध्यम से छात्र-छात्राओं से अपील भी की गयी है खाली समय में शिक्षण कार्य जारी रखें।

कक्षाओं का समय भी तय किया गया

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि शिक्षण कार्य के लिए समय भी निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि विवि की वेबसाइट पर कला, वाणिज्य, शिक्षण, अभियांत्रिकी, विधि और विज्ञान संकाय के अलग-अलग शिक्षकों की ओर से तैयार 1612 अलग अलग प्रकार के ई-कंटेंट भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा शिक्षक ऑनलाइन कक्षाएं भी पढ़ा रहे हैं और अब तक लगभग 558 ऐसी कक्षाएं पढ़ाई जा चुकी हैं। ऑनलाइन कक्षाओं का टाइम टेबल जारी किया जा चुका है।

साइबर लाइब्रेरी भी एक्टिव

विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी केंद्रीय पुस्तकाल में स्थापित साइबर लाइब्रेरी है जिसमें 8271 ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और डेटाबेस इनफिलबनेट और ई-सो सिन्धु कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध हैं, 9273 ई-पुस्तक उपलब्ध है, और सीडी- डीवीडी के रूप में आठ हजार छह सौ अट्ठाइस ई-पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। यह सब ऑनलाइन ज्ञान न केवल हमारे पूरे विद्यार्थी और शिक्षक परिवार के लिए खुला है, बल्कि दुनिया के किसी भी शोधकर्ता या ज्ञान साधक के लिए खुला रहेगा।

लॉकडाउन की अवधि बढ़ी है, ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण कार्य को दुरुस्त किया जाना जरूरी है। इसी को देखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से वह सभी कदम उठाये जा रहे हैं जो मौजूदा स्थिति को देखते हुए जरूरी हैं।

-प्रो. आलोक राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

Pioneer Page 4

लविवि के 49 विभागों ने बनाए यूट्यूब चैनल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोनावायरस के चलते लागू लॉक डाउन के बीच छात्रों की शिक्षा पर कोरोना के असर को कम करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के 49 विभागों ने अपना यूट्यूब चैनल बना लिया है। यूट्यूब चैनल पर 250 से ज्यादा वीडियो कंटेंट उपलब्ध कराए गए हैं जिसका फायदा न केवल विश्वविद्यालय के छात्र बल्कि महाविद्यालयों के छात्र भी उठा सकते हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध व्याख्यान विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने तैयार किए हैं। यह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कला, वाणिज्य, शिक्षण, अभियांत्रिकी, विधि और विज्ञान संकाय के विभिन्न शिक्षकों द्वारा निर्मित 1612 अलग अलग प्रकार के जैसे वर्ड फाइल, पीडीफ, ऑडियो अथवा विडियो व्याख्यान, पीपीटी, आदि ई.कंटेंट भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा शिक्षक ऑनलाइन कक्षाएं भी पढ़ा रहे हैं और अब तक लगभग 558 ऐसी कक्षाएं पढ़ाई जा चुकी हैं। ऑनलाइन कक्षाओं का टाइम टेबल भी जारी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अपने सम्बद्ध महाविद्यालयों को भी ऑनलाइन क्लास लेने और अच्छा ई.कंटेंट बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के पास टैगोर लाइब्रेरी नामक एक बहुत समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय है। इसकी एक शाखा साइबर लाइब्रेरी है। जिसमें 8271 ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और डेटाबेस इनफिलबनेट और ई.सो सिन्धु कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध है। 9273 ई.पुस्तक उपलब्ध हैं और सीडी , डीवीडी के रूप में 8628 ई.पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। यह सब ऑनलाइन ज्ञान न केवल हमारे पूरे विद्यार्थी और शिक्षक परिवार के लिए खुला है बल्कि दुनिया के किसी भी शोधकर्ता या ज्ञान साधक के लिए खुला रहेगा।

The Pioneer Page 3

LU VC apprised of syllabus covered

Lucknow (PNS): Vice-Chancellor of Lucknow University AK Rai presided over a meeting through video-conferencing with 70 faculty members, including all HoDs, deans & additional deans, coordinators of various institutes and departments, controller of examination and registrar. Deans of different faculties and all HoDs said that on an average, 80-90% courses in all departments have been covered through online classes and e-content.

"Practical classes, courses that need data collection for dissertation writing and tutorial classes to revise course material and clarify doubts of students will require a period of at least 20 days after the university reopens," LU media spokesperson said.